हनुमानताल का खुला रह गया वाल्व, बस्तियों में भर रहा पानी

तालाब के पानी से उपरैनगंज तमरहाई में जलप्लावन

हरिभूमि जबलपुर।

जब से शहर स्मार्ट सिटी घोषित हुआ है तब से अनोखी समस्याएं शहर में सामने आ रहीं हैं. देश भर में तालाब भरने के बाद जलप्लावन होता है, बाढ़ आती है, लेकिन जबलपुर में खाली तालाब जलप्लावन का कारण बन रहा है, बाढ़ जैसे हालात दिखा रहा है. यहां बात हो रही है हनुमानताल तालाब की जो कई महीने पहले सफाई के नाम पर खाली किया गया है. लेकिन सफाई और सुधार कार्य में हुई अव्यवस्था के कारण आज खाली होने के बाद भी उपरैनगंज, झाड़ू मोहल्ला, तमरहाई, मिलौनीगंज सहित एक दर्जन से अधिक क्षेत्रों में जलप्लावन का कारण बन रहा है।

गौरतलब है हनुमानताल तालाब को कई महीने पहले सफाई और मरम्मत कार्य के नाम पर पूरी तरह से खाली कर दिया गया था। लेकिन कार्य अधूरा छोड़ दिया गया, और अब यही अधूरा काम शहरवासियों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। बीती रात की भारी बारिश के बाद उपरैनगंज, तमरहाई, मिलौनीगंज, झाड़ मोहल्ला और आसपास के एक दर्जन से अधिक इलाके बाढ़ जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। गली-मोहल्लों में पानी भर गया, घरों के अंदर पानी घुसने से लोगों का सामान खराब हो गया और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

खुला वाल्व बना मुसीबत की जड़

जानकारों का कहना है की हनुमानताल घोड़ानक्कास छोर पर स्थित वाल्व, जो आमतौर पर तभी खोला जाता है जब तालाब को सफाई के लिए खाली किया जाता है। ऐसा ही कुछ पिछले दिनों तालाब को खाली करने के लिए किया गया था लेकिन इसके बाद वॉल्व को बंद नहीं किया गया, लिहाजा बारिश का पानी तालाब में भरने के बजाय वॉल्व के जरिए पानी नाले नालियों में पहुंच रहा है। जिससे बस्तियों में जलप्लावन की स्थितियां बन रही है। तालाब ऊंचाई पर है और बस्तियां नीचे हैं। इसलिए पानी का भराव हो रहा है। लेकिन हैरत की बात यह है कि इस बार तालाब तो खाली है, फिर भी वाल्व खुला है। नतीजा यह हुआ कि बारिश का सारा पानी, जो सामान्यतः तालाब में जमा होता, वह वाल्व के रास्ते बाहर बह रहा है और नालियों से होते हुए निचले इलाकों में जलभराव का कारण बन रहा।

स्थानीय निवासी और जनप्रतिनिधि भी इस असमंजस में हैं कि यह वाल्व किसके निर्देश पर खुला रखा गया है। कुछ लोगों का कहना है कि ठेकेदार ने सफाई और मरम्मत कार्य अधूरा छोड़ा है और तालाब को भरने की अनुमति नहीं दी जा रही। वहीं, कुछ का दावा है कि वाल्व के पास निर्माण कार्य अभी अधूरा है, जिसके कारण तालाब में पानी रोका नहीं जा सकता। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस गंभीर स्थिति का जिम्मेदार कौन है – इसका जवाब खुद प्रशासन के पास नहीं है। न नगर निगम और ठेकेदार की ओर से कोई स्पष्ट बयान आया है।

आमजन में आक्रोश

शहरवासियों में इस स्थिति को लेकर आक्रोश है। स्थानीय निवासी शिवरचरण तिवारी ने बताया, "पहले जब तालाब ओवरफ्लो होता था, तब भी हमारे घरों में पानी नहीं घुसता था। लेकिन अब जब तालाब खाली है, तब हालात बाढ़ जैसे बन गए हैं। यह पूरी तरह से नगर निगम की लापरवाही है।" वहीं एक समाजसेवी ने कहा, तालाब की मरम्मत और प्रबंधन का जिम्मा जिस ठेकेदार को सौंपा गया है, उस पर कोई निगरानी नहीं रखी जा रही। भुगतान हजारों लोग भुगत रहे हैं.

समाधान की मांग

स्थानीय पार्षदों और जनप्रतिनिधियों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। साथ ही मांग की है कि तत्काल प्रभाव से हनुमानताल में पानी भरा जाए या कम से कम वाल्व को बंद कर जलप्लावन की स्थिति को रोका जाए।

अगले 24 घंटों में भारी बारिश की संभावना

रात में ढाई इंच बारिश से शहर में जलप्लावन

जबलपुर। शुक्रवार की देर रात शहर में हुई तेज बारिश ने शहर को तरबतर कर दिया। करीब 5 घंटे में ढाई इंच बारिश से शहर में जलप्लावन की स्थिति बन गई। दिनभर से मौसम खुला रहा। रात को बिना गरज चमक के तेज बारिश शुरु हो गई जो देर रात तक जारी रही। इसके बाद शनिवार को मौसम खुला रहा और बादल छाए रहे। रात में फिर बारिश के आसार बनने लगे थे। रात 10 बजे से शुरू हुई बारिश देर रात करीब 3 बजे तक जारी रही। इस दौरान करीब ढाई इंच से अधिक वर्षा दर्ज हुई। शहर के निचले इलाके जलमग्न हो गये। सुबह के वक्त स्कूल आने जाने वाले बच्चों को खासी परेशानी हुई। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कई स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। शुक्रवार की रात हुई बारिश से कही जगह जलप्लावन के हालात बने। लोगों के घरों में पानी घुस गया। शहर के गोलबाजार, अग्रवाल कालोनी, दीक्षितपुरा, चेरीताल, दमोहनाका, झाड़ू मोहल्ला, उपरैनगंज, आमनपुर, गंगानगर, चंदनकालोनी, सिविक सेंटर, मुकादमगंज, प्रिंस स्ट्रीट नरघैया सहित कई निचले हिस्से जलमग्न हो गए। लोगों के घरों और दुकानों में पानी घुस गया था।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार बंगाल की खाड़ी से उठे मानसूनी बादल राजस्थान होते हुये छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में सक्रिय हैं। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 5 डिग्री कम दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री कम रिकार्ड किया गया। हवा में नमी प्रातकाल 95 प्रतिशत और सायंकाल 73 प्रतिशत दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों के दौरान 67.6 मिमी (ढाई इंच) वर्षा के बाद 1 जून से आज तक कुल वर्षा का आंकड़ा 208.07 मिमी (लगभग 8 इंच) दर्ज किया जा चुका है। दक्षिणी पश्चिमी हवाएं 4 से 8 किलोमीटर की रफ्तार से चली। सूर्योदय सुबह 5.28 बजे और सूर्यास्त शाम 7.00 बजे हुआ। गत वर्ष आज के दिन वर्षा 29.08 मिमी हुई थी। जबकि कुल वर्षा 89.4 मिमी दर्ज की गई थी। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 34.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.0 डिग्री दर्ज किया गया था। अगले 24 घण्टे के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकती हैं।

नवजात को स्तनपान के लिए 15 दिन रखने तैयार हुए दुष्कर्म पीड़िता व माता-पिता

जबलपुर । मप्र हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता की गर्भावस्था 30 सप्ताह से अधिक की होने के कारण पीड़िता व उसके माता-पिता की काउंसलिंग के निर्देश दिए थे। लिहाजा, ऐसा ही किया गया। जिसका सकारात्मक असर यह हुआ कि वे बच्चे को इस संसार में लाने तैयार हो गए। हालांकि उन्होंने यह शर्त भी रखी है कि जन्म के उपरांत महज 15 दिन तक ही दुष्कर्म पीड़िता स्तनपान कराएगी। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने इन तथ्यों को अभिलेख पर लेते हुए याचिका का निराकरण कर दिया। दरअसल, दुष्कर्म पीड़िता के गर्भपात के लिए प्रधान जिला न्यायाधीश छिंदवाड़ा ने हाई कोर्ट को पत्र भेजा था। जिसमें पीड़िता के माता-पिता की सहमति से गर्भपात की अनुमति पर बल दिया था। हाई कोर्ट ने पत्र की याचिका के रूप में सुनवाई की व्यवस्था दे दी थी। इसी के साथ पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट तलब कर ली थी। जिसमें अवगत कराया गय कि गर्भावस्था 30 सप्ताह की है। लिहाजा, भ्रण के जीवित पैदा होने की अधिकतम संभावना है। लेकिन गर्भपात कराए जाने से पीडिता की जान को खतरा है। चूंकि दुष्कर्म पीड़िता व उसके माता-पिता दूर-दराज के ग्रामीण व अशिक्षित होने के कारण खतरे की बात समझ नहीं पा रहे थे, अतः काउंसलिंग की व्यवस्था दी गई थी।

हाई कोर्ट ने 30 सप्ताह की गर्भावस्था के कारण दिए थे काउंसलिंग के निर्देश

कांग्रेस नेताओं ने रखी पर्यवेक्षकों से मांग

दलित पिछड़े वर्ग से मिले प्रतिनिधित्व

हरिभूमि जबलपुर।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के दौरान पर्यवेक्षक बनकर जबलपुर पहुंचे केन्द्रीय पर्यवेक्षक गुरूदीप सिंह सप्पल, प्रदेश पर्यवेक्षक विधायक पुष्पराज पटेल, एवं विधायक आर.के. दोगने के साथ कांग्रेस नेता विजय कांडा, राजेन्द्र चौधरी, रूपलाल यादव, दीपक सिंह राजपूत, पिंकी ठाकुर आदि ने विशेष चर्चा की। बैठक में कहा गया की कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गाँधी की मंशा के अनुरूप सोशल इंजिनियरिंग के तहत जबलपुर में शहर एवं जिले में दलित एवं पिछड़ा वर्ग से नगर अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष बनाया जाए. यदि इन जातियों से जबलपुर शहर में प्रतिनिधित्व दिया गया तो कांग्रेस पुनः अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा प्राप्त करेगी। साथ ही माँग रखी गई की जिसे भी कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया जाये उसका डी.एन.ए. (राजनैतिक जन्म) कांग्रेसी हो और वह गाँधी की विचारधारा का हो। केन्द्रीय पर्यवेक्षक से चर्चा में कहा गया कि कांग्रेस संगठन मजबूत बनाना है तो जबलपुर शहर के प्रभावशाली नेताओं के प्रभाव में न आकर सिर्फ कांग्रेस हित में निर्णय लेना होगा, नहीं तो राहुल गाँधी द्वारा कांग्रेस मजबूत करने के संगठन सृजन अभियान जो चलाया गया है वह दिखावा साबित न हो, किसी बड़े नेताओं के दबाव में निर्णय नहीं लिये जायें।

गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को भी मिलेगा सामाजिक समितियों से लाभ

पहले चरण में 101 आंगनबाड़ियों को लिया गोद

हरिभूमि जबलपुर।

नौनिहालों के भविष्य को और अधिक सशक्त बनाने के लिए शहर में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के नेतृत्व में आँगनबाड़ी कायाकल्प अभियान शुरू हो गया है। पहली बार इस तरह का अभिनव अभियान महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' के द्वारा सामाजिक समितियों के सहयोग से शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत महापौर की पहल पर सामाजिक संस्थाओं द्वारा नगरीय क्षेत्र की 687 आँगनबाड़ियों को गोद लिया जायेगा। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए महापौर श्री अन्नू ने बताया कि पहले चरण में 101 आँगनबाड़ियां को गोद ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि आगामी 2 माह के भीतर आँगनबाड़ी ले ली जायेगी गोद एवं होंगी सर्वसुविधायुक्त। इस अभियान के तहत आँगनबाड़ियों में बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए सभी जरूरी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही कुपोषित और अतिकुपोषित बच्चों की बेहतर देखभाल भी की जाएगी।

पत्रकारवार्ता में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि पहली बार इतने बड़े पैमाने में आँगनबाड़ियों को गोद लिया गया है। इस अभियान का उद्देश्य देश के भविष्य को सशक्त बनाना है। इस काम में सामाजिक संस्थाओं के अलावा पार्षद एवं शहर के नागरिक सहयोग कर रहे हैं।

शहर में कुल 687 आंगनवाडी केन्द्र है, प्रत्येक आंगनवाडी केन्द्र पर 1 आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं 1 सहायिका पदस्थ रहती हैं जो 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण की सुविधा उपलब्ध कराते हैं। इसके अतिरिक्त विभाग के आंगनवाडी कार्यकर्ताओ योगदान काफी रहा है इनके सहयोग से अथक एवं संवेदनशील प्रयास सें शासन की "फलैगशिप" योजनाये जैसे लाडली लक्ष्मी योजना, लाडली बहना योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर संभव हो पाया। महापौर ने बताया कि सभी सामाजिक संस्थाओं के सदस्य अब अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह, अपने परिजनों के जन्मोत्सव, जयंती और पुण्यतिथि आँगनबाड़ी केन्द्र के नौनिहालों के बीच मनाएंगे।

महापौर लेगें 11 आंगनबाड़ियों को गोद

कायाकल्प अभियान के पहले चरण में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू द्वारा 11 आंगनबाड़ियों को गोद लेने का संकल्प लिया गया है। संकल्प के तहत आँगनबाड़ियों में शासन के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार व्यवस्थाएं की जायेगी।

एपीसी ने किसानों की इकॉनॉमी को सशक्त करने के दिये निर्देश

परम्परागत कृषि को हाई वैल्यू क्रॉप में शिफ्ट करें : वर्णवाल

जबलपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में रबी वर्ष 2024-25 एवं खरीफ 2025 के कार्यक्रमों के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि पिछले दो बैठकों में किसानों के कल्याण के लिए विस्तृत चर्चा की गई थी और इस बार उनके आर्थिक पक्ष को मजबूत करने की दिशा में चर्चा की गई। जिसमें उन्होंने कहा कि परम्परागत कृषि को हाई वैल्यू क्रॉप में शिफ्ट करें, जिससे आपूर्ति के साथ मांगो को बढ़ाना होगा, बाजार का सृजन करना होगा। तभी किसानों को सही दाम मिल सकेगा। गेहूं व धान के अलावा ऐसे फसल जिसमें किसानों को ज्यादा लाभ मिले हैं उन्हें अब समय है कि हाई वैल्यू की तरफ शिफ्ट करें। बैठक में पीएस उमाकांत उमराव, जबलपुर कमिश्नर धनंजय सिंह, कृषि व कृषि संबंद्ध सभी विभागों के डायरेक्टर और संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर व सीईओ जिला पंचायत व संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक के प्रथम सत्र में कृषि, मंडी, उद्यानिकी, सहकारिता तथा दूसरे सत्र में पशुपालन एवं डेयरी व मछुआ कल्याण विभाग की समीक्षा की गई।

एसीएस श्री वर्णवाल ने सभी कलेक्टर्स से किसानों के आर्थिक सृजन के लिए किये गये बेहतर प्रयासों की जानकारी ली। इस दौरान सभी कलेक्टरों ने बारी-बारी से अपने-अपने जिले में किसानों के कल्याण तथा उनकी आर्थिक सशक्तिकरण के बारे में किये जा रहे नवाचारों के बारे में विस्तार से बताया। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान नरवाई प्रबंधन, हैप्पी सीडर और सुपर सीडर, कस्टम हायरिंग, फसलों की नई किस्म, मृदा परीक्षण, मानक खाद व बीज, भूमि, किसान और फसल की रजिस्ट्री, मार्केट जनरेशन के संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि भविष्य में एग्रीस्टेग भूमि, किसान और फसल की रजिस्ट्री, कृषि में नए परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने बीज प्रमाणिकरण, फोर्टिफाईड राइस, ई-मंत्री योजना, मंडियों की व्यवस्थाएं तथा उनकी निगरानी के साथ कहा कि मंडियों के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज हो जायें। उद्यानिकी के संबंध में फसलवार व क्षेत्रवार जानकारी लेकर कहा कि इसके लिए एक ऐसा रणनीति बनाएं जिससे उद्यानिकी का एक बड़ा कलस्टर बने, जिसमें खरीददार स्वयं आयें। उन्होंने किसान पंजीयन, मूल संवर्धन, मार्केटिंग व ब्रांडिंग तथा निर्यात को बढ़ावा देने के संबंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इसी प्रकार सहकारिता में बी-पेक्स के गठन, मत्स्य व दुग्ध समितियों के खाते खोलने साथ ही सदस्यों के खाते भी 16 जुलाई तक अभियान चलाकर खुलवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि समितियों के बहुउद्देशीय व्यवसाय के लिए 15 अगस्त तक योजनाओं को स्वीकृति दें। बैठक के द्वितीय सत्र में पशुपालन एवं डेयरी विभाग की समीक्षा के दौरान पशु संवर्धन, सेक्स सॉर्टेड सीमेन, कृत्रिम गर्भाधान, नस्ल सुधार, पशु पोषण आहार, केसीसी, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेन योजना, मिल्करूट, बड़ी गौशाला बनाने, नए मिल्क पार्लर खोलने आदि पर विस्तृत चर्चा की गई। इसी प्रकार मत्स्य उत्पादन व उनके संवर्धन तथा इससे किसानों की इकॉनॉमी को सशक्त करने के निर्देश दिये।

उपभोक्ता मंच ने शासन को भेजा सुझाव

ट्रैफिक सिग्नल एजेंसियों में तालमेल का अभाव

हरिभूमि जबलपुर।

इंट्रीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के तहत लगाए गए 21 ट्रैफिक सिग्नल की वर्किंग स्मार्ट सिटी, नगर निगम तथा पुलिस विभाग के आपसी तालमेल के अभाव में मुश्किल में पड़ी है। अतः तीनों एजेंसियों की एक संयुक्त एजेंसी बनाकर नगर निगम को एक्जिक्यूटिव एजेंसी बनाया जाए। यह सुझाव नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने शासन को भेजा तथा स्मार्ट सिटी सीईओ अनुराग सिंह एवं ट्रैफिक डीएसपी संतोष कुमार शुक्ला से भी दूरभाष पर चर्चा की। इंट्रीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के दो भाग ट्रैफिक सिग्नल तथा सीसीटीवी कैमरे के तहत नगर निगम ने वर्ष 20215 में पीपीपी मॉडल पर अनुबंध कर लगभग 10 सिग्नल लगाए। स्मार्ट सिटी ने वर्ष 2018 में 6 चौराहों पर सिग्नल लगाए। इनका अनुबंध समाप्त होने के बाद मार्च 2025 में शासन से मिले 1.5 करोड़ फंड हेतु टेंडर जारी किए, टेक्निकल 2025 में शासन से मिले 1.5 करोड़ फंड हेतु टेंडर जारी किए, टेक्निकल टेंडर खुलने के बाद भी वित्तीय टेंडर अभी खुले नहीं है। इसी के पश्चात ही 6 चौराहों पर सिग्नल एक माह के भीतर शुरु होने की उम्मीद है। पुलिस विभाग द्वारा उन्हें मिले फंड के माध्यम से 5 चौराहों पर सिग्नल लगाए गए हैं। इस तरह कुल 21 सिग्नल जरुर लगे, लेकिन अब अधिकांश बंद पड़े हैं।

जबलपुर में दूसरे फेज की योजना नहीं बनी

डॉ. पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने बताया कि भोपाल में इंट्रीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का प्रथम फेज वर्ष 2023 में समाप्त होकर दूसरा फेज शुरु हो गया है, जबकि जबलपुर में प्रथम फेज की समाप्ति वर्ष 2024 में होने के बावजूद भी दूसरा फेज की योजना ही नहीं बनाई गई है। इसी का नतीजा है कि बहुतांश चौराहों पर सिग्नल नहीं लग पा रहे हैं।

790 पाव अंग्रेजी शराब सहित कार जब्त

जबलपुर। बरेला थाना अंतर्गत ग्राम परतला हनुमान मंदिर के पास बलेनो कार में अवैध रुप से शराब परिवहन कर ले जा रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 790 पाव अंग्रेजी शराब और कार जब्त की है। बरेला थाना प्रभारी विजय विश्वकर्मा ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर ग्राम परतला हनुमान मंदिर के पास दबिश देकर बलेनो कार क्रमांक एमपी 20 जेड एन 9102 में अंग्रेजी शराब बेचने के लिए जा रहे द्मोहनाका शांतिनगर थाना गोहलपुर निवासी 40 वर्षीय कार चालक सुनील कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया है। तलाशी लेने पर कार की डिक्की को में रखी दो पेटी में मेकडावल रम के 88 पाव, 2 पेटी में मेकडावल विस्की के 78 पाव , 11 पेटी मे जीनियस थ्री एक्स रम 528 पाव, 2 पेटी में जीनियस डीलक्स विस्की 96 पाव रखे मिले। पुलिस ने 17 पेटी में रखे 790 पाव अंग्रेजी शराब और घटना में प्रयुक्त बलेनो कार जब्त की है। जब्त किए शराब की कीमत लगभग 1 लाख 9 हजार 440 रूपये बताई गई। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

वेतन न मिलने से एल्गिन अस्पताल के सफाईकर्मी हड़ताल पर

गर्भवती महिलाओं को मेडिकल कॉलेज किया गया रेफर

जबलपुर। जिले की प्रमुख सरकारी रानी दुर्गावती चिकित्सालय (एल्गिन हॉस्पिटल) के सफाईकर्मियों को कई महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण हड़ताल शुरू कर दी है। जिसका असर अस्पताल की सफाई व्यवस्था पर देखा जा रहा है। आरोप है कि ठेकेदार द्वारा बार-बार भुगतान टालने से नाराज सफाईकर्मी अब अस्पताल परिसर में विरोध कर रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हो रही हैं। कई कर्मचारी 2 से 6 महीने से वेतन का इंतजार कर रहे हैं। एक कर्मचारी ने बताया, "हमारा घर चलाना मुश्किल हो गया है, बच्चों की पढ़ाई रुक गई है और मकान मालिक किराया मांग रहा है।" साथ ही, कर्मचारियों का यह भी आरोप है कि उनके प्रोविडेंट फंड की राशि भी काटी जा रही है लेकिन जमा नहीं की जा रही। कर्मचारियों ने ठेकेदार पर जानबूझकर भुगतान में देरी और श्रमिकों के हक़ को दबाने का आरोप लगाया है। अस्पताल प्रबंधन का

कहना है कि प्रशासन से फंड मिलने में देरी हो रही है, जिससे ठेकेदार को भुगतान नहीं हो पाया।

गर्भवती महिलाओं को रेफर किया गया

हड़ताल के कारण अस्पताल की सफाई व्यवस्था ठप हो गई है जिससे साफ-सफाई और संक्रमण नियंत्रण पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि गर्भवती महिलाओं को अस्पताल द्वारा मेडिकल कॉलेज रेफर किया जा रहा है क्योंकि प्रसूति विभाग में सफाई न होने के कारण इलाज संभव नहीं हो पा रहा है। हड़ताल के कारण अस्पताल की स्वच्छता पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। साथ ही, प्रसूति विभाग की सेवाएं ठप होने से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है।

प्रशासन भी मान रहा लापरवाही

अस्पताल की अधीक्षिका डॉ. नीता पाराशर ने बताया तीन महीने से कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला, इसलिए वे काम पर नहीं आए। मैंने कई बार सीएमएचओ कार्यालय को पत्र भेजा है। सफाई व्यवस्था पूरी तरह बंद रही। ओटी भी नहीं खोली गई। संक्रमण के खतरे को देखते हुए प्रसूताओं को मेडिकल भेजा गया है। सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा ने भी ठेकेदार की लापरवाही की बात दोहराते हुये कहा, ठेकेदार ने एक महीने का वेतन देने की बात कही थी लेकिन वह भी नहीं दिया। अब फोन भी बंद कर लिया है। हमने उसे नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

- कैंसर की जांच और इलाज में महाकौशल में नए युग की शुरूआत
- पहले सिर्फ चैन्नई, बैंगलोर और हैदराबाद जैसे महानगरों में होती थी जांच

अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल में शुरू हुई महाकौशल की पहली पैट स्केन मशीन

जबलपुर। जिस पैट स्केन के लिए जबलपुर समेत पूरे महाकौशल के लोगों को पहले चैन्नई, बैंगलोर और हैदराबाद जैसे महानगरों में जाना पड़ता था अब उनकी इस समस्या और दुविधा का समाधान हो गया है। पैट स्केन की ये सुविधा अब महाकौशल में सबसे पहले जबलपुर के अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स में शुरू हो गई है। अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स जबलपुर में महाकौशल की पहली पैट स्केन मशीन से जांच की गई है। ये मरीज अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स जबलपुर में इलाज की नई उम्मीद लेकर आए थे और यहां पैट स्केन की जांच हो जाने से उनके समय की बचत भी हुई। दरअसल पैट स्केन मशीन को कैंसर के इलाज में सबसे प्रभावी माना जाता है। पैट स्केन मशीन के जरिए कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का सटीक ढंग से पता लगाया जाता है और इसके जांच नतीजों के आधार पर कैंसर का जल्द इलाज शुरू किया जा सकता है, जिससे कैंसर के मरीजों की जान बचाई जा सकती है।

कैंसर की जांच और इलाज का महाकौशल में नया युग शुरू

अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल जबलपुर में पैट स्केन शुरू हो जाने को कैंसर की जांच और इलाज के मामले में महाकौशल में नए युग की शुरूआत माना जा रहा है। जिसका फायदा अब लाखों मरीजों को मिलेगा। पैट स्केन के लिए पहले मरीजों को मजबूरन चैन्नई, बैंगलोर और हैदराबाद जैसे महानगरों में जाना पड़ता था लेकिन अब लोगों के न केवल समय की बचत होगी बल्कि उनके स्वस्थ जीवन जीने की उम्मीदें भी पूरी होंगी।

मशीन की ये है विशेषता

- कैंसर कोशिकाओं की पहचान करने और यह देखने में मदद करता है कि कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में तो नहीं फैल गया है।
- शरीर के भीतर होने वाले बदलावों को बहुत ही सटीक रूप से दिखा सकता है।
- यह विभिन्न अंगों की क्रिया के बारे में विस्तृत जानकारियां प्रदान करता है। -यह कैंसर के शुरूआती चरण का पता लगाने के लिए काफी कारगर है।

तैराकी में अद्वैत पागे ने जीता रजत पदक

जबलपुर। भुनेश्वर उड़ीसा में आयोजित 78वीं राष्ट्रीय सीनियर तैराकी प्रतियोगिता 2025 में मध्यप्रदेश के स्टार तैराक अद्वैत पागे ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन रजत पदक पर कब्जा जमाया, इस प्रतियोगिता में यह उनका दूसरा पदक है। उक्त जानकारी मध्य प्रदेश तैराकी संघ के सचिव जय कुमार वर्मा ने दी। अद्वैत की दोहरी सफलता पर मध्य प्रदेश तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा, कोषाध्यक्ष योगेंद्र सिंह राठौड़, सहसचिव रामकुमार खिलरानी, सीमांत द्विवेदी, राजेंद्र उपाध्याय, सचिन पाल, सुनील पटेल, राकेश जोशी, अशोक मोदी, ओपी जगावत, शिशुकुंज स्विमिंग अकैडमी के डायरेक्टर मनोज दवे, कोच आकाश चौधरी, वेदांत कस्बे टीम मैनेजर जमना पटेल ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की।

6वीं बटालियन पीटीएस में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। वृक्ष हमारे मित्र की भूमिका निभाते हैं और हमारी कई मूलभूत जरूरतों को पूरा करते हैं। वृक्षों के जरिए ही हमें ऑक्सीजन मिलती है और समय पर वर्षा होती है। केवल इतना ही नहीं उनके फल, उनकी लकड़ियां, पुष्प और उनसे निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ भी हमारी दैनिक जीवन की कई आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। इसी उद्देश्य से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सौजन्य से कमांण्डेंट सिद्धार्थ चौधरी भा.पु.से. एवं एसबीआई के रीजनल मैनेजर अनूप सिंह बिष्ट की उपस्थिती में 6वीं बटालियन पीटीएस में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में कमांडेंट सिद्धार्थ चौधरी भा.पु.से. एसबीआई के रीजनल मैनेजर अनूप सिंह बिष्ट, डिप्टी कमांण्डेंट अभिषेक राजन, डिप्टी कमांण्डेंट सुश्री अंजूलता पटले, डिप्टी कमांण्डेंट श्री लामू सिंह श्याम, असिस्टेंट कमांण्डेंट मुख्यालय स्टॉफ व प्रशिक्षक सहित कुल 70 एवं पीटीएस के कुल 185 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहें।

रोटरी इंटरेक्ट सदस्यों ने लियोनार्ड एचएस स्कूल में किया पौधा रोपण

जबलपुर। रोटरी इंटरेक्ट क्लब ऑफ लियोनार्ड एचएस स्कूल के छात्रों के एक समूह ने आरटीएन आशीष जैन (अध्यक्ष) और आरटीएन अशोक साहू (सचिव) के मार्गदर्शन में स्कूल परिसर में कुछ वाणिज्यिक और फलदार पौधे लगाए। पौधे का यह रोपण हमारे पर्यावरण को बेहतर बनाने और क्षेत्र को और अधिक हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से कियास गया था। इस अवसर पर सदस्यों द्वारा नारियल, बांस और अशोक के पौधे लगाए गए और गतिविधि में गहरी दिलचस्पी ली।

प्राचार्य एलजी लोबो ने उपस्थित छात्रों को वनों की कटाई, प्रदूषण और वैश्विक तापन के हानिकारक प्रभावों का मुकाबला करने के लिए पौधे लगाने की इस गतिविधि की आवश्यकता और महत्व के बारे में बताया। उन्होंने उपस्थित सदस्यों से आग्रह किया कि वे न केवल अपने आसपास की कालोनियों, इलाकों में पौधे लगाएं, बल्कि इसकी देखभाल भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कई देशों के बीच हिंसा और युद्ध की वर्तमान स्थिति और जंगलों तथा हरियाली के विनाश को देखते हुए दुनिया के अन्य हिस्सों में पौधों को प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों में आस्कर, दक्ष, काव्या, आंचल, ट्विंकल, अरविंद, रोहित, देविका, लवली, नैना और सानिल शामिल थे। बच्चों का मार्गदर्शन रोटरी इंटरेक्ट क्लब प्रभारी स्वामी पांडे और मिस पूजा ने किया।

ग्रामीण बच्चों के लिए तीन दिवसीय कंप्यूटर अवेयरनेस वर्कशॉप आयोजित

जबलपुर। बडेरिया ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट ने संस्थानिक सामाजिक दायित्व की गतिविधि के अंतर्गत ग्रामीण बच्चों के लिए तीन दिवसीय कंप्यूटर अवेयरनेस वर्कशॉप- टेक उड़ान का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी और उसकी कार्यप्रणाली से अवगत कराना था। सभी बच्चों को इस कार्यशाला में बहुत कुछ सीखने को मिला। बच्चे बिनेकी, सूखा एवं नुनसर गाँव से आए थे, जिन्हें संस्थान के ही कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। संस्थान के चेयरमैन सौरभ बडेरिया ने प्रशिक्षणार्थी छात्रों की प्रशंसा एवं सराहना की। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. राजीव खत्री, एचआर हेड डॉ. निहारिका यादव, डॉ आकांक्षा शुक्ला ने सभी बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

कॉलेज चलो अभियान योजना

जबलपुर। उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन के निर्देशानुसार सत्र 2025-26 'कॉलेज चलो अभियान' योजना का क्रियावयन किया जा रहा है। प्रो. अरुण शुक्ल, नोडल अधिकारी "कॉलेज चलो अभियान" ने बताया कि योजना का मुख्य उददेश्य है कि 12वीं के पश्चात विद्यार्थी उच्च शिक्षा से जुडे. इस हेतु जिले के सभी महाविद्यालयों में कॉलेज चलो अभियान के सफल संचालन हेतु समिति का गठन किया गया है। समिति के सदस्यों द्वारा अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाले हायर सेकेण्डरी विद्यालयों एवं क्षेत्रों में जाकर 12वीं के विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को महाविद्यालय में चल रही विभिन्न शासकीय योजनाओं, छात्रवृत्ति, ऑनलाईन ई-प्रवेश प्रकिया की जानकारी दी जा रही है।

जबलपुर महिला नागरिक सहकारी बैंक में सशक्त महिलाओं की महासभा संपन्न

जबलपुर। जबलपुर महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्या. में 28 जून को 29वीं वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष निधि पांडेय ने बताया कि बैंक से छोटे-छोटे लघु एवं कुटीर उद्योगों के लिए ऋण लेकर महिलाएं अपने परिवार की जीविका चलाने में सहभागिता निभाकर आत्मनिर्भर हो रही हैं। सभा में ऐसी महिलाओं का स्वागत किया गया। सभा में उपाध्यक्ष शोभिता दुबे, प्रभा ठाकुर, नूतन पांडेय, साधना तिवारी, शमशाद बेगम, अंजली यादव, मल्लिका पॉल, कमला अवस्थी, भूमिका अलवानी, सरस्वती चड़ार, सरोज पांडेय, प्रेमलता त्रिपाठी, सुनयना गुप्ता, सुरेखा डेविड, रागिनी शर्मा, मेहरुनिशा बेगम, सुनीता तिवारी, प्रभा साहू, पूनम चौबे, शिल्पी सेन, स्नेहलता सोनी, आभा शुक्ला, पिंकी पटेल, रेखा ठाकुर, नेहा नेमा, पूर्व सीईओ तुषारकांति चटर्जी, पूर्व संघ कार्यकर्ता यशवर्धन पाठक, एड. अशोक तिवारी, एसके गुप्ता एवं आल्विन मनोहर डेविड इत्यादि ने सहकारिता के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। आमसभा में पत्रिका का विमोचन किया गया एवं वरिष्ठ नागरिकों को बैंक द्वारा 8 से 8.50 प्रतिशत ब्याज देने की जानकारी दी गई। बैंक के अंशधारियों को आठ प्रतिशत लाभांश देने की घोषणा की गई। बैंक स्टॉफ की संगीता उपाध्याय ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वाल्मीकि समाज का सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन आज

जबलपुर। वाल्मीकि समाज जबलपुर द्वारा सामाजिक एकता, सादगी और संस्कारों को बढ़ावा देने हेतु एक भव्य सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन का आयोजन 29 जून को रामलीला मैदान सदर जबलपुर में किया गया है। इस आयोजन के माध्यम से समाज में दहेज प्रथा के खिलाफ जागरूकता फैलाने और विवाह को सरल, सुलभ एवं सादगीपूर्ण बनाने का संदेश दिया जा रहा है। सम्मेलन में सात जोड़ों का विवाह वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राकेश सिंह कैबिनेट मंत्री, विधायकगण उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर रूपकिशोर चौहान अध्यक्ष, दिनेश मछंदर, राजेन्द्र पथरोल, बलराम वाल्मीकि, धर्मदास बघेल, गोविंद डागौर, राजेश मट्टू, जीत महरोलिया, रविकांत डागौर, दिलीप परोचे, गौतम गिल, संध्या चौहान, दया डागौर, शकुन कछवाहा सहित अन्य ने उपस्थिति की अपील की है।

कानून के प्रति व्यक्ति को जागरूक बनाना विधिक साक्षरता शिविर का उद्देश्यः न्यायाधीश श्रीमती शंभावी सिंह

पाटन। तहसील विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में नगर के तान्या कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत न्यायमूर्ति श्रीमती अमृता मिश्रा (न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पाटन) व न्यायमूर्ति श्रीमती शंभवी सिंह (न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पाटन) व प्राचार्य सी. एस. ठाकुर ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। न्यायाधीश श्रीमती शांभवी सिंह ने अपने उद्बोधन में कानून एवं मानवाधिकारों के प्रति जागरूक करना विधिक साक्षरता क्लब का उद्देश्य बताया। उनके अनुसार जब तक व्यक्ति को अपने अधिकारों और कानून का बोध नहीं होगा वह अपने विरुद्ध हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज नहीं उठा सकेगा। वही न्यायमूर्ति श्रीमती अमृता मिश्रा तिवारी ने देश के कोने-कोने तक जागरूकता पहुंचाना इस शिविर का लक्ष्य बताया। उन्होंने बताया कि आज भी एक बड़ा जन समुदाय कानून एवं अपने अधिकारों की जानकारी से वंचित है। ऐसे लोगों को न्यायिक जानकारी प्रदान करना जिससे वह शासन द्वारा प्रदत सभी योजनाओं का लाभ ले सकें और उन्नत जीवन जी सकें साथ ही न्याय तक भी उनकी पहुँच सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम मे उपप्राचार्य सुजीत सिंह, शिक्षक अनिल पटेल, जसपाल सिंह ठाकुर, धनंजय प्यासी, हेमंत शर्मा, बृजेश विश्वकर्मा, कमलेश नामदेव, देविदीन पटेल, आकांक्षा सिंघाई, सृष्टि तिवारी, आकांक्षा मैम, रुचि शर्मा, प्रिया तिवारी व अन्य उपस्थित रहे।

निधन

श्री गुलाब सिंह दुबे- सहकारी बैंक पाटन से सेवा निवृत्त लेखपाल पंडित गुलाब सिंह दुबे का निधन हो गया। उनकी अंतिम संस्कार गाड़ाघाट में संपन्न हुआ।

श्रीमती ममता पटेल- नेता कॉलोनी अधारताल निवासी श्री गोविंद सिंह पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती ममता पटेल (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेश खत्री- महेशपुर मदनमहल निवासी श्री राजेश खत्री (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राम प्रसाद अहिरवार- गोरखपुर लोधी मोहल्ला निवासी श्री राम प्रसाद अहिरवार (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सुश्री राजकुमारी झा- साहू मोहल्ला कांचघर निवासी श्री प्रभुदयाल झा की पुत्री सुश्री राजकुमारी झा (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रघुवीर प्रसाद कठेरिया- कछियाना लालमाटी निवासी श्री रघुवीर प्रसाद कठेरिया (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लक्ष्मी बाई साहू- राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री सोमनाथ साहू की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई साहू (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री वीरेंद्र अवस्थी- शारदा विहार कॉलोनी करमेता निवासी श्री वीरेंद्र अवस्थी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नीलेश डुमार- कांचघर दीपक डेयरी के पीछे निवासी श्री नीलेश डुमार (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती आशा देवी दीक्षित- न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री मदन मोहन दीक्षित की धर्मपत्नी श्रीमती आशा देवी दीक्षित (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कृष्णा देवी गिरी- रांझी भगतसिंह वार्ड निवासी श्री दया शंकर गिरी की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा देवी गिरी (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री चंद्रिका प्रसाद झा- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री चंद्रिका प्रसाद झा (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती फुल्ला बाई अहिरवार- रामपुर निवासी श्री मनमोहन अहिरवार की धर्मपत्नी श्रीमती फुल्ला बाई अहिरवार (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री रमाकांत सिंह गौतम- अधारताल धनी कुटिया के पास निवासी श्री रमाकांत सिंह गौतम (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दिगम्बर विनायक आचार्य- सुंदर विहार पोलीपाथर बादशाह हलवाई मंदिर के पास निवासी श्री दिगम्बर विनायक आचार्य (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सिंगल साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362100

राज्य शिक्षक संघ ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

सिर्फ शिक्षकों के लिए ई-अटेंडेंस योजना स्वीकार नहीं

सिहोरा। ई अटेंडेंस योजना लागू करना है तो इसे केवल शिक्षक संवर्ग के लिए ही क्यों ?क्या प्रदेश में केवल शिक्षक ही शासकीय कर्मचारी है। ई अटेंडेंस योजना को शिक्षक के सम्मान पर प्रश्नचिन्ह बताते हुए राज्य शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि सरकार इस योजना को एक साथ सभी विभागों में लागू करे, शिक्षक इसमें बढ़-चढ़कर सहभागिता करेगा। राज्य शिक्षक संघ के आह्वान पर आज प्रांत व्यापी प्रदर्शन के तहत सिहोरा में भी सैकड़ो की संख्या में शिक्षकों ने एकत्र होकर मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार जयभान सिंह उईके को ज्ञापन सौपा। अपने ज्ञापन में शिक्षकों ने कहा कि वह मध्य प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप मध्य प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्र में अग्रणी स्थान के लिए सतत प्रयत्नशील हैं । इस वर्ष का शासकीय स्कूलों का परीक्षा परिणाम प्राइवेट स्कूलों से बेहतर आना इस बात का प्रमाण है कि शिक्षक पूर्ण मनो योग से बेहतर कार्य कर रहा है। ऐसी दशा में ऐसे अनुकूल वातावरण में ऐसी अटेंडेंस जैसी अपमानजनक योजना को लागू करना शिक्षक को हतोत्साहित करता है। शिक्षकों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग की कि मध्य प्रदेश के समस्त विभागों में एक साथ ही अटेंडेंस योजना प्रारंभ करें। ज्ञापन सौंपते समय संघ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र त्रिपाठी प्रांतीय सदस्य नरेंद्र खंपरिया, तहसील अध्यक्ष अरविंद उपाध्याय, सचिव रवि प्रकाश दुबे, प्रदीप प्यासी, समीर गुप्ता, मुकेश मेहरा, प्रमोद नामदेव, धनेश्वर परोहा, अनिल खरे, दीप चंद तंतुवाय, सतीश मिश्रा, रामजी पटेल, प्रकाश पांडे, सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

CHANGE OF DATE OF BIRTH

I, **KABITA NATH** is legally Mother of No **JC- 388202A** Rank **SUB** Name **SUDIP NATH** presently, residing at **VILL-SUBHASH NAGAR, PO-KANCHANPUR, TEH-KANCHANPUR, DISTT-NORTH TRIPURA (TRIPURA)-799270** I, have changed of my date of birth from **01/07/1961** (date of birth as per my **SON,** Army service records) to **01/01/1964** (date of birth as per my **AADHAR CARD NO. 8319 1647 9107** vide affidavit dated **19/06/2025** (date of affidavit) formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT. JABALPUR (MP)

CORRECT DATE OF BIRTH 01/01/1964
INCORRECT DATE OF BIRTH 01/07/1961

CHANGE OF DATE OF BIRTH

I, **SUBHASH CHANDRA NATH** is legally Father of No **JC-388202A** Rank **SUB** Name **SUDIP NATH** presently, residing at **VILL-SUBHASH NAGAR, PO-KANCHANPUR, TEH-KANCHANPUR, DISTT-NORTH TRIPURA (TRIPURA)-799270** I, have changed of my date of birth from **01/07/1958** (date of birth as per my SON, Army service records) to **01/01/1958** (date of birth as per my **AADHAR CARD NO. 9573 7897 1006** vide affidavit dated **19/06/2025** (date of affidavit) formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (MP)

CORRECT DATE OF BIRTH 01/01/1958
INCORRECT DATE OF BIRTH 01/07/1958

दोनों देशों के मध्य रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा में मजबूत कदम उठे

भारत-फ्रांस के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास

भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक विश्वास और तकनीकी समझ बढ़ी

भारतीय सेना ने दिखाई जबरदस्त रणनीतिक कुशलता और तालमेल

ये सैन्य युद्ध अभ्यास शहरी और अर्ध-विकसित इलाकों में किया गया। इस दौरान दोनों सेनाओं ने शहरी युद्ध, बाधा पार करने, संयुक्त गश्त और सैनिकों की तैनाती जैसे कई मिशन-विशेष अभ्यास किए। ये सभी अभ्यास वास्तविक युद्ध स्थितियों के अनुरूप किए गए, जिससे सैनिकों की रणनीतिक लचीलापन और फुर्ती में सुधार हुआ

एजेंसी ▶▶ पेरिस

भारत और फ्रांस की सेनाओं के बीच चल रहा संयुक्त सैन्य अभ्यास शाक्ति-8 दोनों देशों की सेनाओं के बीच रणनीतिक सहयोग और परिचालन स्तर की तालमेल को और मजबूत कर रहा है। यह अभ्यास फ्रांस के दक्षिणी हिस्से में स्थित कैंप लारजैक, ला कावालरी में आयोजित किया जा रहा है।

इस अभ्यास में भारत की तरफ से जम्मू-कश्मीर राइफल्स बटालियन के करीब 90 सैनिक भाग ले रहे हैं, जबकि फ्रांसीसी सेना की ओर से 13वीं डेमी-ब्रिगेड डे लेजियन एत्रांजेरे (विदेशी सेना ब्रिगेड) हिस्सा ले रही है।

अभ्यास शहरी और अर्ध-विकसित इलाकों में किया

ये सैन्य युद्ध अभ्यास शहरी और अर्ध-विकसित इलाकों में किया गया। इस दौरान दोनों सेनाओं ने शहरी युद्ध, बाधा पार करने, संयुक्त गश्त और सैनिकों की तैनाती जैसे कई मिशन-विशेष अभ्यास किए। ये सभी अभ्यास वास्तविक युद्ध स्थितियों के अनुरूप किए गए, जिससे सैनिकों की रणनीतिक लचीलापन और फुर्ती में सुधार हुआ।

96 घंटे का तीव्र फील्ड अभ्यास

इस अभ्यास का विशेष आकर्षण रहा चार दिन यानी 96 घंटे तक चलने वाला हाई-इंटेंसिटी फील्ड ऑपरेशन। इसमें दोनों देशों की सेनाओं ने एक साथ मिलकर बहु-आयामी युद्ध परिदृश्य को अंजाम दिया। इस दौरान सैनिकों की सहनशक्ति, फैसले लेने की क्षमता और नेतृत्व कौशल की परीक्षा ली गई।

भारतीय राजदूत ने बढ़ाया हौसला

भारत के फ्रांस और मोनाको में राजदूत संजीव सिंगला ने शिविर का दौरा कर भारतीय सैनिकों से मुलाकात की। उन्होंने सैनिकों की पेशेवर क्षमता की सराहना की और भारत-फ्रांस रक्षा सहयोग में उनके योगदान को अहम बताया। उनके दौरे ने सैनिकों का मनोबल और बढ़ाया।

इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और ड्रोन-रोधी प्रशिक्षण

इस कड़ी में विशेषज्ञ टीमों ने रेडियो सिग्नल पकड़ने, उन्हें जाम करने, स्पेक्ट्रम नियंत्रण और ड्रोन निष्क्रिय करने जैसे आधुनिक तकनीकों का अभ्यास किया। इससे दोनों सेनाओं की आधुनिक युद्धक्षेत्र में काम करने की क्षमता को मजबूती मिली।

सामरिक साझेदारी को मिली नई ऊंचाई

शक्ति-8 अभ्यास से यह साबित हो गया है कि भारत और फ्रांस की सेनाएं एक-दूसरे से बेहतर तरीके से समन्वय कर सकती हैं। इस अभ्यास ने रणनीतिक विश्वास, तकनीकी समझ और संयुक्त अभियान क्षमता को नई ऊंचाई दी है। यह दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक और मजबूत कदम है।

खबर संक्षेप

सैम ऑल्टमैन बोले- कबाड़ हैं सभी लैपटॉप-कंप्यूटर

वॉशिंगटन। ओपनएआई के सीईओ सैम आल्टमैन के हिसाब से मौजूदा कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर एआई के पहले के दौर के हिसाब से डिजाइन किए गए थे। अब उनका दौर जा चुका है यानी कि अब ये कबाड़ हो चुके हैं। हालांकि अब दुनिया ऐसे डिवाइसेज की तरफ बढ़ रही है जो अधिक जागरुक, अधिक व्यक्तिगत और पर्यावरण को लेकर अधिक संवेदनशील सिस्टम हैं जिनका काम सिर्फ कंप्यूट करना नहीं बल्कि यूजर्स के आस-पास के माहौल, जरूरतों और व्यवहार को समझकर प्रतिक्रिया देना है।

फ्रांस में सिगरेट पीने पर पाबंदी, 13 हजार का जुर्माना

पेरिस। फ्रांस ने 29 जून से पब्लिक प्लेस पर सिगरेट पीने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। सरकार के नए नियम के अनुसार, लाइब्रेरी, स्विमिंग पूल और स्कूलों के बाहर भी धूम्रपान नहीं करना होगा। यह नियम पहले 1 जुलाई से लागू होने वाला था, लेकिन अब इसे 29 जून से लागू कर दिया गया है। यह कदम बच्चों को सिगरेट के धुएं से बचाने के लिए उठाया गया है। अगर कोई इस नियम को तोड़ेगा, तो उसे 135 यूरो (लगभग 13,517 रुपए) का जुर्माना देना पड़ सकता है।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- हर नागरिक के लिए गर्व का क्षण

वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2029 का पहली बार 'भारत' में आयोजन

- भारत की खेल अवसंरचना की मिली वैश्विक मान्यता
- भारत ने इन खेलों के 8 बार भाग लेकर 1400 पदक जीते

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत को 2029 के संस्करण की मेजबानी मिलना न केवल देश की खेल क्षमताओं का प्रमाण है, बल्कि यह पुलिस और आपातकालीन सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों के समर्पण और कौशल को भी वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत पहली बार 2029 में प्रतिष्ठित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स (विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों) की मेजबानी करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत को मिली इन खेलों की मेजबानी को प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व की बात करार दिया है। गुजरात के अहमदाबाद को इन खेलों का आयोजन होगा। वर्ष 1985 से विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल हर दो वर्ष में एक बार आयोजित किए जाते हैं।

अपने 'एक्स' पोस्ट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में विकसित विशाल खेल अवसंरचना की वैश्विक मान्यता है। अहमदाबाद को इस आयोजन का स्थल चुना जाना इसे अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि भारत को 2029 के संस्करण की मेजबानी मिलना न केवल देश की खेल क्षमताओं का प्रमाण है, बल्कि यह पुलिस और आपातकालीन सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों के समर्पण और कौशल को भी वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।

ऑल इंडिया पुलिस गेम्स से होगा चयन

वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन सालाना ऑल इंडिया पुलिस गेम्स के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। देश में पुलिस खेलों का संचालन ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड करता है, जिसके अंतर्गत 53 सदस्य संगठन हैं, जिनमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, राज्य पुलिस बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियां शामिल हैं। यह बोर्ड हर वर्ष 40 राष्ट्रीय स्तर के पुलिस खेल आयोजन करता है, और इनमें से हर खेल के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय टीम के लिए चुना जाता है।

1985 में हुई थी शुरुआत

वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स एक द्विवर्षीय (हर दो साल में) आयोजन है जिसकी शुरुआत 1985 में हुई थी। अब तक इसके 20 संस्करण हो चुके हैं, जिनमें से अमेरिका में 8 बार, कनाडा में 5 बार, यूरोप में 4 बार, ब्रिटेन में 2 बार और चीन में 1 बार यह आयोजन हुआ है। ये खेल पुलिस, अग्निशमन, आपात, आपदा सेवाओं और घटना के वक्त सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए हैं।

भारत की भागीदारी और उपलब्धियां

भारतीय पुलिस की टीम ने पहली बार 2007 में एडिलेड में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में भाग लिया था। तब से लेकर अब तक भारत ने इन खेलों के 8 संस्करणों में भाग लेकर कुल 1400 से अधिक पदक जीते हैं। सबसे हालिया 20वें संस्करण का आयोजन 26 जुलाई से 6 अगस्त 2023 के बीच कनाडा के विनिपेग में हुआ था, जिसमें भारतीय पुलिस के 133 खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर 343 पदक जीते जिनमें 224 स्वर्ण, 82 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। यह भारतीय दल के लिए अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन था। इन खेलों में पुलिस, अग्निशमन और आपदा सेवाओं के कर्मी 50 से अधिक खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

वर्ष 2047 तक भारत को विश्व गुरु बनाएं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने युवाओं से 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व गुरु बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। वर्ष 2047 में भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होंगे। शाह ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नेता गोविंद गुरु के योगदान को भी याद किया और कहा कि उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान क्षेत्र के लोगों की अंतरात्मा को जगाया। शाह, शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में गुजरात के पंचमहल जिले में गोधरा के पास विंजोल में श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के लिए 125 करोड़ रुपए की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया गया। शाह ने गोविंद गुरु को भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नायक बताते हुए कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ उस संघर्ष में करीब 1,512 आदिवासी भाई-बहन शहीद हुए और गुजरात में मानगढ़ भारत की आजादी की लड़ाई के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया।

पाक सेना पर आत्मघाती हमला

16 सैनिकों की मौत, 6 बच्चों सहित 25 लोग घायल

- *विस्फोटक से लदे वाहन को सैन्य काफिले में टक्कर मारी*
- *खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले की घटना*

ब्लास्ट के बाद सुरक्षाबल जांच करते हुए

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के खड्डी इलाके में शनिवार को एक आत्मघाती हमला हुआ। इसकी चपेट में आने से 16 सैनिकों की मौत हो गई और 25 लोग घायल हैं, जिनमें सैन्यकर्मी और नागरिक दोनों शामिल हैं। एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने बताया कि आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटक से लदे वाहन को बम-रोधी इकाई के एक सैन्य वाहन काफिले में टक्कर मार दी। इससे 16 सैनिकों की जान चली गई और 6 सैन्यकर्मी व 19 नागरिक घायल हो गए।

हाल का सबसे बड़ा हमला

खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान दोनों में सरकार से लड़ने वाले सशस्त्र समूहों द्वारा वर्ष की शुरुआत से अब तक लगभग 290 लोग, जिनमें ज्यादातर सुरक्षा अधिकारी हैं, मारे गए हैं। घटना के समय सैन्य आवाजाही के कारण इलाके में कर्फ्यू लगाया गया था। सुरक्षा एजेंसियों ने विस्फोट के बाद राहत अभियान शुरू किया है। इस घटना को हाल के महीनों में उत्तरी वजीरिस्तान में सबसे घातक घटनाओं में से एक बताया जा रहा है और इसने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

उसुद अल-हरब ने ली जिम्मेदारी

इस हमले की जिम्मेदारी हाफिज गुल बहादुर सशस्त्र समूह से जुड़े आतंकवादी समूह उसुद अल-हरब ने ली है, जो पाकिस्तान तालिबान का एक गुट है। 2021 में काबुल में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे अपने क्षेत्रों में हिंसा में तेज वृद्धि देखी है।

रूस ने पश्चिमी देशों पर लगाया आरोप

पुतिन ने कहा- अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे, हथियार के रूप में आतंकवाद का कर रहे इस्तेमाल

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर पश्चिमी देशों पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम देश रूस में अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं। पुतिन ने शुक्रवार को बेलारूस की राजधानी मिंस्क में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बयान दिया।

उन्होंने कहा कि किसी को इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) की गतिविधियों की कोई परवाह नहीं है, जब तक वह रूस के खिलाफ काम कर रहा है। मॉस्को में विस्फोट हुए और अब भी हो रहे हैं, लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा।

रूस की आड़ में नाटो ने बढ़ाया रक्षा खर्च

पुतिन ने कहा कि नाटो वर्तमान में रूस की 'आक्रामकता' का हवाला देकर अपने सदस्यों के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5 प्रतिशत तक रक्षा खर्च में वृद्धि और यूरोप में सैन्य तैनाती को उचित ठहरा रहा है। उन्होंने कहा कि जब नाटो के सदस्य इस तरह के बयान देते हैं तो वे सब कुछ उल्टा कर देते हैं। कोई भी इस बारे में एक शब्द तक नहीं बोल रहा है कि हम रूसी, विशेष सैन्य अभियान तक कैसे पहुंचे। उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष की जड़ें दशकों पहले तक जाती हैं जब मॉस्को से नाटो विस्तार के बारे में झूठ बोला गया था। उन्होंने कहा कि इसके बाद, निरंतर इसे विस्तारित किया गया।

एकतरफा खेल नहीं खेलेगा मॉस्को

पुतिन ने कहा कि कोई भी इस पर ध्यान नहीं देना चाहता। जब तक यह रूस के खिलाफ है, सब ठीक है। ऐसा उस वक्त हुआ, जब पश्चिमी देशों ने हमारे देश में अलगाववाद को बढ़ावा दिया और रूस के खिलाफ लड़ाई के लिए आतंकवाद का इस्तेमाल किया। पुतिन ने कहा कि मॉस्को अब पश्चिम के साथ 'एकतरफा' खेल नहीं खेलेगा। पश्चिमी देशों ने नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) विस्तार और यूक्रेन संघर्ष को हल करने से संबंधित अपने वादों को पूरा न करके बार-बार रूस को धोखा दिया है।

जम्मू में होंगी अहम बैठकें

पहलगाम का दौरा करेगी संसदीय समिति, हालात की करेगी समीक्षा

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में हुए दर्दनाक आतंकी हमले के बाद अब एक संसदीय समिति वहां दौरा करने जा रही है। यह इस हमले के बाद पहला आधिकारिक दौरा होगा, जिसका उद्देश्य जमीनी हालात की समीक्षा करना और प्रशासनिक व सुरक्षा उपायों का जायजा लेना है। यह दौरा कोयला, खान और इस्पात से संबंधित संसदीय स्थायी समिति द्वारा किया जा रहा है, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर कर रहे हैं। समिति का यह विस्तृत दौरा मुंबई, कूर्ग और श्रीनगर जैसे शहरों को कवर करेगा। संसदीय समिति कश्मीर दौरे की शुरुआत जम्मू से करेगी।

फिलीपींस में 6.0 तीव्रता का भूकंप

मनीला। फिलीपींस में शनिवार सुबह 4:37 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी की रिपोर्ट के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.0 थी। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ में जमीन से 105 किलोमीटर की गहराई पर था। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इससे पहले 24 जून को भी फिलीपींस में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया था।

इजराइल और हमास के बीच होगा युद्धविराम

ट्रंप बोले- एक हफ्ते के भीतर सीजफायर संभव, बात की है

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन डीसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में इजराइल और हमास के बीच युद्ध खत्म करवाने के संकेत दिए हैं। उन्होंने व्हाइट हाउस स्थित प्रेसिडेंट के ऑफिस ओवल ऑफिस में शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हमें लगता है कि अगले हफ्ते के भीतर सीजफायर हो जाएगा। मैंने सीजफायर कराने की कोशिश में शामिल कुछ लोगों से बात की है। मुझे लगता है कि यह बहुत करीब है। ट्रंप ने कहा कि गाजा में सीजफायर और बंधकों की रिहाई तक ही बात नहीं रुकनी चाहिए, बल्कि जंग को पूरी तरह खत्म किया जाए।

आईडीएफ की चेतावनी मध्य गाजा खाली करें

इजराइली रक्षा बल ने शुक्रवार रात को मध्य गाजा के नागरिकों को तुरंत इलाका खाली करने की चेतावनी जारी की। आईडीएफ प्रवक्ता अविचाई आढ़ेई ने कहा कि हम उन सभी ठिकानों को निशाना बनाएंगे, जहां से रॉकेट छोड़े जा रहे हैं या जिनका उपयोग आतंकवादी कर रहे हैं। नागरिक इन क्षेत्रों को तत्काल खाली करें। नागरिक तुरंत दक्षिण की ओर अल-मवासी क्षेत्र की तरफ चले जाएं और वापस न लौटें।

कनाडा से नाराज ट्रंप बोले- जल्द नया टैरिफ लगाऊंगा

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कनाडा के साथ व्यापार वार्ता तुरंत खत्म कर दी है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि वे जल्द ही कनाडा पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा करेंगे। दरअसल, कनाडा ने अमेरिका पर डिजिटल सर्विसेज टैक्स (डीएसटी) लगा दिया है। इससे नाराज होकर यह फैसला किया। ट्रंप ने कहा कि अगले 7 दिनों में कनाडा को बता दिया जाएगा कि उसे अमेरिका के साथ व्यापार करने के लिए कितना टैरिफ देना होगा। डीएसटी वह टैक्स होता है। जो ऑनलाइन सर्विस देने वाली कंपनियों से वसूला जाता है जो कनाडा में ऑनलाइन यूजर्स से पैसा कमा रही हैं, उसे आय पर 3% टैक्स देना होगा।

हिंद महासागर में नहीं चलेगी अब चीन की दादागीरी, देश ने बढ़ाया दबदबा

श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड में भारत ने ली नियंत्रण हिस्सेदारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की प्रमुख रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनी मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड, कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी (सीडीपीएलसी) में नियंत्रण हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा की है। यह सौदा 52.96 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 452 करोड़ रुपए) का है। यह भारत की किसी सरकारी रक्षा शिपयार्ड कंपनी द्वारा किया गया पहला अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण होगा और इसके जरिए भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में एक रणनीतिक उपस्थिति मिलेगी। यह भारत के सबसे बड़े शिपयार्ड द्वारा पहला अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण है। यह कंपनी पनडुब्बियों, युद्धपोतों और अन्य जहाजों का निर्माण करता है। यह कदम भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में एक 'रणनीतिक पैर जमाने' में भी मदद करेगा। इस क्षेत्र में चीन अपनी बैठ बढ़ा रहा है। ऐसे में भारत के लिए यह डील बहुत ही महत्वपूर्ण है।

खास बातें

- एमडीएल ने 452 करोड़ रुपए में सीडीपीएलसी में 51 प्रतिशत की नियंत्रण हिस्सेदारी ली
- कोलंबो डॉकयार्ड भारत की एमडीएल की सहायक कंपनी बनी

50 से अधिक वर्षों का अनुभव

सीडीपीएलसी के पास जहाज निर्माण, मरम्मत और भारी इंजीनियरिंग का 50 से अधिक वर्षों का अनुभव है। यह कंपनी जापान, नॉर्वे, फ्रांस, यूएई, भारत और कई अफ्रीकी देशों के लिए जटिल ऑफशोर सपोर्ट वेसल, केबल-लेइंग जहाज, टैंकर और गश्ती नौकाएं बना चुकी है।

सौदा 4 से 6 माह में पूरा होगा

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी रक्षा शिपयार्ड कंपनी है। इसने कोलंबो डॉकयार्ड में कम से कम 51% हिस्सेदारी हासिल करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अधिग्रहण प्राथमिक पूंजी निवेश और द्वितीयक शेयर खरीद के संयोजन के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें जापान की ओनोमिची डॉकयार्ड कंपनी लिमिटेड से शेयरों की खरीद शामिल है, जो वर्तमान में सीडीपीएलसी की बहुसंख्यक हिस्सेदार है। यह सौदा नियामक अनुमोदन और अन्य सामान्य शर्तों के अधीन है, और इसके चार से छह महीने में पूरा होने की उम्मीद है। सौदे के पूरा होने पर, कोलंबो डॉकयार्ड भारत की एमडीएल की सहायक कंपनी बन जाएगी।

क्षेत्रीय समुद्री शक्ति वैश्विक शक्ति में बदलेगी

एमडीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कैप्टन जगमोहन ने बताया कि सीडीपीएलसी में नियंत्रण हिस्सेदारी का प्रस्तावित अधिग्रहण हमारे शिपयार्ड को एक क्षेत्रीय समुद्री शक्ति और आगे चलकर एक वैश्विक शिपबिल्डिंग कंपनी में बदलने की दिशा में एक 'गेटवे' है। कोलंबो पोर्ट पर सीडीपीएलसी की रणनीतिक स्थिति, इसकी सिद्ध क्षमताएं और क्षेत्रीय उपस्थिति, एमडीएल को दक्षिण एशिया में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगी।

समुद्र में स्थित है ये रहस्यमयी किला, आज तक कोई नहीं जीत सका, मीठे पानी की झील है पहेली

नई दिल्ली। भारत में बेहद खूबसूरत और ऐतिहासिक कले हैं। यहां पर राज करने वाले राजाओं ने अपने राज्य की सुरक्षा के लिए किलों के निर्माण कराए हैं। यहां ऐसे कई प्राचीन किले हैं, जो अपने आप में कई रहस्य समेटे हुए हैं। एक इसी तरह का किला महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के तटीय गांव मुरुद में स्थित है, जिसे मुरुद जंजीरा किला के नाम से जाना जाता है। समुद्र तल से 90 फीट की ऊंचाई पर बने इस किले की खासियत है कि यह बीच समुद्र (अरब सागर) में बना हुआ है।

मुरुद जंजीरा किला भारत के पश्चिमी तट का एक मात्र ऐसा किला है, जो कभी भी जीता नहीं जा सका। कहा जाता है कि ब्रिटिश, पुर्तगाली, मुगल, शिवाजी महाराज, कान्होजी आंग्रे, चिम्माजी अप्पा और संभाजी महाराज ने इस किले को जीतने का काफी प्रयास किया था, लेकिन इनमें से कोई भी सफल नहीं हो सका। यही वजह है कि 350 साल पुराने इस किले को 'अजेय किला' कहा जाता है।

15वीं सदी में हुआ था किले का निर्माण

मुरुद-जंजीरा किले का दरवाजा दीवारों की आड़ में बनाया गया है, जो किले से कुछ मीटर दूर जाने पर दीवारों के कारण दिखाई देना बंद हो जाता है। कहा जाता है यही वजह रही होगी कि दुश्मन किले के पास आने के बावजूद चकमा खा जाते थे और किले में घुस नहीं पाते थे। इस किले का निर्माण अहमदनगर सल्तनत के मलिक अंबर की देखरेख में 15वीं सदी में हुआ था। बताया जाता है कि इसका निर्माण 22 साल में हुआ था। 22 एकड़ में फैले इस किले में 22 सुरक्षा चौकियां हैं। यहां सिद्दीकी शासकों की कई तोपें अभी भी रखी हुई हैं, जो हर सुरक्षा चौकी में आज भी मौजूद हैं।

40 फीट ऊंची दीवारों से घिरा हुआ

यह किला 40 फीट ऊंची दीवारों से घिरा हुआ है। माना जाता है कि यह किला पंच पीर पंजातन शाह बाबा के संरक्षण में है। शाह बाबा का मकबरा भी इसी किले में है। इस किले में मीठे पानी की एक झील है। समुद्र के खारे पानी के बीच होने के बावजूद यहां मीठा पानी आता है। यह मीठा पानी कहां से आता है, यह अभी तक रहस्य ही बना हुआ है।

रोचक खबरें

20 रुपए की नोट में दिखने वाली जगह पहुंची महिला, दिखाया खूबसूरत नजारा!

नई दिल्ली। हमारा देश इतना खूबसूरत है कि आप किसी भी राज्य में पहुंच जाएं, आपको हर जगह दिलकश नजारे दिख जाएंगे। भारतीय मुद्राओं में ये नजारे भी देखने को मिलते हैं। 20 रुपए की ही नोट को उठाकर देख लीजिए। आपको पेड़ों के बीच समुद्र नजर आएगा, जो अपने आप में काफी अनोखा है। पर क्या आप जानते हैं कि आखिर ये जगह कहां है, जिसे लोग 20 रुपये की नोट पर देखते हैं? हाल ही में एक महिला उसी जगह पर पहुंच गई, जो नोट के पीछे छपी है, जब आप इसे असल में देखेंगे तो हैरान हो जाएंगे।इंस्टाग्राम यूजर ने हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वो उस जगह को दिखा रही हैं, जो 20 रुपए की नोट के पीछे नजर आती है। वीडियो में वैली कहती हैं- इस वक्त हम लोग वहां पहुंच गए हैं, जहां से 20 रुपए का व्यू लिया गया है। महिला सबसे पहले एक बड़ी 20 रुपए की नोट को दिखाती है, फिर उसके बाद वो कैमरा को उस तरफ घुमा देती है जहां वो नजारा है। आप देख सकते हैं कि दो पेड़ों के बीच समुद्र नजर आ रहा है और पेड़ों के नीचे एक बालकनी जैसी जगह बनी है, जहां खड़े होकर लोग फोटो खिंचवा सकते हैं। सामने आपके घने पेड़ नजर आएंगे और दूर समुद्र में नाव चलती हुई दिखाई दे रही हैं। अब अगर आप सोच रहे हैं कि ये जगह कहां है, तो आपको बता दें कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह है, जहां ये खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। इस वीडियो को 38 लाख व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। कई लोगों ने ये सवाल किया कि आखिर ये जगह कहां पर है। एक ने कहा कि अब उसे भी इस जगह पर जाने का मन कर रहा है। एक ने मजाक में कहा- 20 रुपए का व्यू देखने के लिए 20 हजार रुपए खर्च करने पड़ेंगे।

जज्बा उम्र का मोहताज नहीं 80 साल की दादी ने चलाई ट्रैक्टर

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर अक्सर ऐसे वीडियो सामने आते हैं जो इस बात को साबित कर देते हैं कि असली ताकत इंसान के जज्बे में होती है, उम्र में नहीं। एक बार फिर से यही बात सच होती नजर आ रही है एक वीडियो में, जिसमें 80 साल की एक बुजुर्ग महिला पूरे कॉन्फिडेंस और देसी स्टाइल के साथ ट्रैक्टर चलाती नजर आ रही हैं। यह वीडियो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग दादी अम्मा की हिम्मत और हौसले को सलाम कर रहे हैं।

दादी खेत में खड़े ट्रैक्टर को बड़े सहज तरीके से स्टार्ट करती हैं और उसे कॉन्फिडेंस से भरपूर अंदाज में चलाती भी हैं। इतना ही नहीं, वे ट्रैक्टर पर बैठे-बैठे रील भी बनवाती हैं। उनकी चाल-ढाल और अंदाज देखकर किसी को यकीन नहीं होता कि उनकी उम्र 80 साल है। दादी का आत्मविश्वास वीडियो में अच्छे से दिखता है। स्टीयरिंग थामना, गियर बदलना और ट्रैक्टर को खेत में घुमाना। इन सब पर उनकी जबरदस्त पकड़ है। देखने वालों को कहीं से नहीं लगता कि वह पहली बार ट्रैक्टर चला रही हैं या उन्हें किसी तरह की हिचकिचाहट है। हर सीन में उनकी मुस्कान और आत्मबल साफ नजर आता है। यह वीडियो अब तक हजारों लोगों द्वारा देखा जा चुका है और इसे खूब पसंद भी किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं लगातार आ रही हैं।

बच्चों को स्कूल नहीं भेजता ये कपल तालीम देने का खोजा अनोखा तरीका

वॉशिंगटन। स्कूली बच्चों से अगर पूछा जाए कि वो एक चीज क्या चाहते हैं, तो वो कहेंगे कि कुछ ऐसा हो जाए कि उन्हें स्कूल न जाना पड़े! लगभग हर पीढ़ी के बच्चों के मन में कभी न कभी ये ख्याल आया होगा कि उन्हें स्कूल जाने की जरूरत ही न पड़े। मगर सोचने वाली बात ये है कि क्या वाकई हमें स्कूल जाने की जरूरत होती है? हाल ही में एक अमेरिकी कपल ने बताया कि वो अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजते, बल्कि वो उन्हें दुनिया के अलग-अलग देशों में ले जाते हैं और फिर उन्हें ऐसा ज्ञान दिलाते हैं जिससे वो अलग इंसान बन सकते हैं। दुनियाभर की यात्रा करते हुए पढ़ाई करवाना, पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था से हटकर बच्चों को सिखाना- अमेरिका के फ्लोरिडा की डायना ब्लिंक्स और उनके पति स्कॉट ने यही रास्ता चुना है। डायना (41), जो एक कंटेंट क्रिएटर हैं और जिनके इंस्टाग्राम पर 1.45 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, अपनी तीन बेटियों- लुसिल (12), एडिथ (11) और हेज़ल (9)- को लेकर जुलाई 2022 से 'वर्ल्ड स्कूलिंग' कर रही हैं। उन्होंने और उनके पति ने कॉर्पोरेट दुनिया की दौड़ से बाहर निकलकर बच्चों को दुनिया घूमते हुए पढ़ाने का फैसला किया। वे कहती हैं, 'हम चाहते थे कि हमारी बेटियां किताबों से नहीं, जीवन से सीखें- दुनिया को खुद देखें, महसूस करें। आज लुसिल स्पेन में फ्लेमेन्को डांस सीख रही है, एडिथ एथेंस में ग्रीक मिथोलॉजी पढ़ रही है और हेज़ल मोंटेनेग्रो में समुद्री जीवन संरक्षण सीख रही है।

इस गांव को है अनोखा वरदान! जहरीले सांप के काटने से भी नहीं जाती किसी की जान

अगर किसी को सांप काट ले तो कई बार लोगों की जान चली जाती है। ऐसे में यूपी में एक ऐसा गांव है, जो अपनी विशेषता के लिए जाना जाता है। इस गांव में जहरीले सांप के काटने से किसी की मौत नहीं होती। इसके पीछे की दिलचस्प कहानी है। उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा राज्य है। जहां 75 जिले हैं। यहां के हर हिस्से की अपनी खासियत है। ऐसा ही एक गांव सहारनपुर में है, जो धार्मिक मान्यताओं से घिरा हुआ है। यहां के मंदिरों में देशभर से श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए आते हैं।

नई दिल्ली। सहारनपुर का महाभारत कालीन गांव जड़ौदा पांडा भी काफी फेमस है। इस गांव में बाबा नारायण दास मंदिर की महत्ता देशभर में है। बाबा के वंश से जुड़े 12 गांवों जड़ौदा पांडा, किशनपुरा, जयपुर, शेरपुर, घिसरपड़ी, किशनपुर, चरथावल, खुशरोपुर, मोगलीपुर, चोकड़ा, घिस्सूखेड़ा, न्यामू के ग्रामीण देवता मानते हैं।

बाबा की कृपा

इन सभी गांवों पर बाबा नारायण दास की ऐसी कृपा है कि यहां अगर किसी को जहरीला सांप काट लेता है, तो उनको सांप के काटने का जरा भी असर नहीं होता और न ही उनकी मौत होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब 700 साल पहले ग्राम जड़ौदा पांडा निवासी उग्रसेन और माता भगवती के घर बाबा नारायण दास का जन्म हुआ था।

महाभारत कालीन गांव

क्या कहते हैं लोग?

कहा जाता है कि बाबा नारायण दास बाबा नारायण दास श्री पंचायती उदासीन अखाड़े से जुड़े हुए थे और शिव भक्त थे और उन्होंने कई जगहों पर तपस्या की थी। बाबा ने अपनी 80 बीघा जमीन शिव मंदिर में दान दी थी। इस महाभारत कालीन शिव मंदिर के पास साधना के दौरान वह अपने सेवक, घोड़े, कुत्ते के साथ धरती मां की गोद में समा गए थे।

क्या कहते हैं पंडित?

कहते हैं यहां बाबा की समाधि बना दी गई थी, जो कि आज भी है। इस समाधि पर दूर-दूर से लोग अपनी मन्नत लेकर आते हैं। दावा है कि यहां आने वाले की हर मनोकामना पूरी होती है। ग्रामीण पंडित का दावा है कि आज तक हमने ऐसा नहीं सुना कि किसी को सांप ने काटा हो और उसकी मौत हो गई हो।

नहीं चढ़ता सांप का जहर

पंडित का दावा है कि बाबा नारायण दास की 12 गांवों पर खास कृपा है। सांप काटने के बाद भी किसी को कोई दवा लेने की जरूरत नहीं पड़ती। यहां बाबा नारायण दास का समाधि स्थल है और इस गांव की एक दिव्य शक्ति है। यहां पहले बांस का वन था। बाबा के समाधि स्थल को जुड़ कहा जाता था। इसी वजह से मंदिर को भी जुड़ मंदिर कहते हैं।

पहली बार 2 मर्दों से बिना मां के पैदा हुआ बच्चा, चीन के वैज्ञानिकों ने रचा इतिहास

बीजिंग। विज्ञान ने इस बार प्रकृति के सभी नियमों को पार कर दिया है चीन के जियाओतोंग विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा चूहा तैयार किया है, जो केवल दो नर चूहों के डीएनए से जन्मा है, मतलब इसकी कोई मां नहीं है। यह स्टडी 23 जून 2025 को नामी साइंटिफिक जर्नल राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही में छपी है।

20 साल की रिसर्च

इस प्रक्रिया से तीन बच्चे जन्में थे। इनमें से एक आकार में बड़ा होने के कारण अगले दिन मर गया। 2004 में जापान में दो मादा चूहियों से बच्चों का जन्म कराया गया था। लेकिन, ये पहली बार है जब 2 नर से बच्चे को पैदा कराया गया। इस बार चीनी वैज्ञानिकों ने जीन डिलीशन की बजाय मिथाइलेशन के जरिए एपिजेनेटिक रीप्रोग्रामिंग की जिससे भ्रूण अधिक स्वस्थ रहा।

कैसे हुआ ये अनोखा चमत्कार

इस प्रयोग को सफल बनाने के लिए वैज्ञानिकों की टीम ने एपिजेनेटिक प्रोग्रामिंग पैटर्न को एडिट किया और नया तरीका अपनाया। आपको बता दें कि मिथाइलेशन की प्रक्रिया में डीएनए की एक्टिविटी को नियंत्रित किया जाता है, लेकिन इसका असर डीएनए सीक्वेंस पर नहीं पड़ता। इसमें एक लैब-ब्रेड माउस और दूसरा थाईलैंड के वाइल्ड माउस की नस्ल का इस्तेमाल किया गया। इसके लिए सबसे पहले अंडाणु से जीनोम हटाया गया और उसमें 2 मेल शुक्राणु को इंजेक्ट किया गया। इनमें से एक के मिथाइलेशन पैटर्न को महिला डीएनए जैसा बनाया गया।

क्यों जरूरी है ये खोज?

यूनिवर्सिटी कालेज लंदन की असोसिएट प्रोफेसर हेलेन ओ'नील का कहना है कि, इससे ये साबित होता है कि स्तनधारी जीवों में एक लिंग से संतान पैदा करने में बड़ी बाधा जीनोमिक इमप्रिंटिंग है और अब शायद इसे पार किया जा सकता है। हालांकि, वैज्ञानिकों ने ये भी साफ कर दिया है कि इस तकनीक का इस्तेमाल इंसानों पर लागू नहीं हो सकता। भले यह सफलता इंसानों के लिए उपयोगी नहीं है, लेकिन इससे रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी, जेनेटिक इंफर्टिलिटी और क्लोनिंग जैसे क्षेत्रों में नए रास्ते खुलेंगे।

बिच्छू के जहर से होगा ब्रेस्ट कैंसर का इलाज

ब्रासीलिया। ब्राजील के वैज्ञानिकों ने ब्रेस्ट कैंसर जैसी घातक बीमारी के इलाज को लेकर एक नई उम्मीद की किरण दी है। अमेजन में रहने वाले बिच्छू बॉथियास अमेजोनिकस के जहर में एक खास अणु पाया गया है जो कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में मदद करता है। खास बात ये है कि ये शरीर के अन्य सेल्स को जरा भी नुकसान नहीं पहुंचाता है। साओ पाउलो यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च टीम ने इस पर काफी गहराई से अध्ययन किया और पाए गए मॉलिक्यूल का नाम रखा बामाजे स्पल्प1. लैब में हुए शुरुआती टेस्ट्स में ये पाया गया कि इस बिच्छू का जहर ब्रेस्ट कैंसर सेल्स को खत्म करने में कीमोथेरेपी जितना ही प्रभावी हो सकता है। हालांकि, बिच्छू से जहर निकालना व्यावहारिक नहीं है तो इसके लिए वैज्ञानिकों ने बायोटेक्नोलॉजिकल तकनीक की मदद ली। इस प्रोजेक्ट की रिसर्चर प्रोफेसर एलियान अरण्तेस का कहना है कि उन्होंने पिचिया पास्टोरिस नामक यीस्ट का प्रयोग किया है जो बायोटेक उद्योग में उपयोगी साबित हो चुका है। वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन के अनुसार, ब्रेस्ट कैंसर दुनियाभर की महिलाओं में सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है। वहीं कैंसर से होने वाली मौतों में ब्रेस्ट कैंसर दूसरे नंबर पर है। 2022 में इस बीमारी के 2.3 मिलियन मामले दर्ज किए गए थे और 6.7 लाख लोगों की मौत हुई थी। स्पल्प1 पर अभी लैब में ही शुरुआती टेस्ट हुए हैं, लेकिन इसके दिखने वाले प्रभावों से वैज्ञानिक बहुत उत्साहित हैं। इसका अगला कदम होगा जानवरों पर इसका परीक्षण करना और फिर क्लीनिकल ट्रॉयल। अगर ये मॉलिक्यूल इंसानों पर भी सुरक्षित साबित हुआ तो यह ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में बड़ा गेमचेंजर साबित हो सकता है।

बस करा लें ये एक टेस्ट, नई रिसर्च में खुलासा

सिर्फ 30 सेकंड में जानें कितने साल तक जिएंगे आप

न्यूयार्क। हाल ही में किए गए एक शोध से ये सामने आया है कि एक छोटा सा फिजिकल टेस्ट आपकी उम्र का सही-सही अंदाजा लगा सकता है। यूरोपियन जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी में छपी रिपोर्ट के अनुसार, इस टेस्ट में फर्श पर बैठने और फिर बिना हाथों या घुटनों के सहारे खड़े होने की क्षमता का परीक्षण किया गया. इससे पता चलता है कि शरीर कितना बैलेंस्ड और फ्लेक्सिबल है।

कैसे दिए जाते हैं अंक?

जिन लोगों को 10 अंक मिले, उनमें मृत्यु दर 3.7% थी। वहीं, 8 अंक पाने वालों में यह दर 11.1% थी। जिन्हें सबसे कम अंक मिले जो कि 0-4 के बीच था उनमें मरने वालों की दर 42.1 प्रतिशत थी. रिसर्चर क्लाउडियो गिल ने कहा कि इस टेस्ट को बिना किसी की निगरानी के नहीं किया जाना चाहिए। इसके अलावा जिसके भी रीढ़ की हड्डी में चोट है उन लोगों को भी ये टेस्ट करने से बचना चाहिए।

इसे कहा जाता है सिटिंग राइजिंग टेस्ट

शरीर का लचीलापन, बैलेंस और मांसपेशियों की ताकत कितनी और कैसी हैं, ये बताते हैं कि दिल की सेहत और कार्डियोवैस्कुलर फंक्शन कैसे काम कर रहा है। इस टेस्ट को सिटिंग राइजिंग टेस्ट कहा जाता है। इस रिसर्च में 46 से 75 साल की उम्र के 4,282 लोगों को शामिल किया गया. 0-10 के बीच मिले अंक में जिसके सबसे कम थे उनकी मृत्यु दर ज्यादा थी. इसमें 5 अंक बैठने और 5 खड़े होने के लिए दिए जाते हैं। आपको बता दें कि 12 साल की रिसर्च में 665 लोगों की मौत हो गई।

दिल हो गया कमजोर

अगर एसआरटी में आपका प्रदर्शन खराब है तो इसकी सीधा मतलब है कि आपके दिल की काम करने की क्षमता कमजोर हो गई है। धमनियों का सख्त हो जाना रक्त वाहिकाएं के समय से पहले बूढ़े होने के संकेत देते हैं। साथ ही यह भी हो सकता है कि ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम जो दिल की धड़कन को नियंत्रित करता है, कमजोर हो रहा है।